हज़रत मौलाना सैय्यद मिन्नातुल्लाह रहमानी

मौलाना सैय्यद मिन्नतुल्लाह रहमानी 7 अप्रैल सन् 1913 ई0 मूंगेर बिहार के प्रसिद्ध संत रब्बानी और सूफ़ी हज़रत मौलाना मुहम्मद अली मुंगेरी के घर में पैदा हुए और 19 मार्च सन् 1991 ई0 में आप का देहान्त हो गया।

हैदराबाद, दारुल उलूम नदवतुल उलेमा से शिक्षा प्राप्त की और अन्त में दारुल उलूम देवबन्द से फ़ज़ीलत का प्रमाण–पत्र हासिल किया। आप के शिक्षकों में हज़रत मौलाना सैय्यद हुसैन अहमद मदनी, हज़रत मौलाना असगर हुसैन देवबन्दी, हज़रत मुफ़्ती मुहम्मद शफ़ीक़ देवबन्दी और अल्लामा इब्राहिम बलयावी बहुत प्रसिद्ध हैं। आप न केवल एक धार्मिक विद्वान के रूप में जाने जाते थे बल्कि आप एक उत्साही धार्मिक विद्वान, एक नेता, एक दूरदर्शी राजनेता और एक आध्यात्मिक परापकारी भी थे। आपने दूसरी ओर जामिया रहमानी और आप्रम रहमानी की शैक्षिक अध्यात्मिक के कार्य के प्रसार में भी योगदान दिया। दूसरी तरफ़ इमारत शरीआ और आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के मंच से समाजिक, मिल्ली और क़ानूनी सेवाएं करते थे।

आपने महापुरूषों और मित्रों की सलाह पर आल इंडिया पर्सनल ला बोर्ड की स्थापना करके भारतीय मुसलमानों को एक प्लेट फार्म पर जमा किया और भारत में रहने का एक नया उत्साह और मजबूती दी जो आज तक स्थापित है।

☆☆☆